

मानव शरीर के अंगों के नाम, संख्या और महत्वपूर्ण तथ्यों की सूची

मानव शरीर से सम्बंधित महत्वपूर्ण तथ्यों की सूची:

मानव शरीर:

मानव शरीर एक मानव जीव की संपूर्ण संरचना है, जिसमें एक सिर, गर्दन, धड़, दो हाथ और दो पैर होते हैं। किसी मानव के वयस्क होने तक उसका शरीर लगभग 50 ट्रिलियन कोशिकाओं, जो कि जीवन की आधारभूत इकाई हैं, से मिल कर बना होता है। इन कोशिकाओं के जीववैज्ञानिक संगठन से अंततः पूरे शरीर की रचना होती है।

रासायनिक स्तर:

रासायनिक स्तर पर मानव शरीर विभिन्न जैव-रसायनों का संगठनात्मक तथा क्रियात्मक रूप होता है जिसमें विभिन्न तत्वों के **परमाणु यौगिकों** के रूप में संगठित होकर जैविक क्रियाओं को संचालित करते हैं। इन तत्वों में कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं सल्फर मुख्य होते हैं।

जब दो या दो से अधिक परमाणु परस्पर मिलते हैं, तो वे एक अणु की संरचना करते हैं, उदाहरणार्थ जब ऑक्सीजन के दो परमाणु परस्पर मिलते हैं, तो वे एक ऑक्सीजन का अणु बनाते हैं, जिसे O₂ लिखा जाता है। एक अणु में एक से अधिक परमाणु हो तो उसे यौगिक कहते हैं। जल (H₂O) एवं कार्बन डाइऑक्साइड (CO₂) की तरह ही कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन्स एवं लिपिड (वास) भी ऐसे यौगिक हैं जो कि मानव शरीर के लिए महत्वपूर्ण है।

मानव शरीर के अंगों के नाम, संख्या और महत्वपूर्ण तथ्य:

अस्थियों की कुल संख्या	206
सबसे छोटी अस्थि	स्टेपिज़ (मध्य कर्ण में)
सबसे बड़ी अस्थि	फिमर (जंघा में)
कशेरुकाओं की कुल संख्या	33
पेशियों की कुल संख्या	639
सबसे लम्बी पेशी	सर्टरियास
बड़ी आंत्र की लम्बाई	1.5 मीटर
छोटी आंत्र की लम्बाई	6.25 मीटर
यकृत का भार(पुरुष में)	1.4 - 1.8 कि.ग्रा.
यकृत का भार(महिला में)	1.2 - 1.4 कि.ग्रा.
सबसे बड़ी ग्रंथि	यकृत
सर्वाधिक पुनरुदभवन की क्षमता	यकृत में
सबसे कम पुनरुदभवन की क्षमता	मस्तिष्क में
शरीर का सबसे कठोर भाग	दांत का इनेमल
सबसे बड़ी लार ग्रंथि	पैरोटिड ग्रंथि

शरीर का सामान्य तापमान	98 .4°F (37°C)
शरीर में रुधिर की मात्रा	5.5 लीटर
हीमोग्लोबिन की औसत मात्रा:	
पुरुष में	13-16 g/dl
महिला में	11.5-14 g /dl
WBCs की संख्या	5000-10000/cu mm.
सबसे छोटी WBC	लिम्फोसाइट
सबसे बड़ी WBC	मोनोसाइट
RBCs का जीवन काल	120 दिन
रुधिर का थक्का बनाने का समय	2-5 मिनट
सर्वग्राही रुधिर वर्ग	AB
सर्वदाता रुधिर वर्ग	O
सामान्य रुधिर दाब	120/80 Hg
सामान्य नब्ज गति	
जन्म के समय	140 बार -मिनट
1 वर्ष की आयु में	120 बार -मिनट
10 वर्ष की आयु में	90 बार -मिनट
व्यस्क में	70 बार -मिनट
हृदय गति	72 बार -मिनट
सबसे बड़ी शिरा	एन्फिरियर
सबसे बड़ी धमनी	42-45 से.मी
वृक्क का भार	42-45 से.मी
मस्तिष्क का भार	42-45 से.मी
मेरु दंड की लम्बाई	42-45 से.मी

हम अपने शरीर के बारे में आवश्यक बातें तो जानते हैं, लेकिन मानव शरीर से ही संबंधित कुछ वैज्ञानिक सच ऐसे हैं, जिन्हें बहुत कम लोग जानते हैं। मानव शरीर से जुड़े ये तथ्य हमें हैरान कर देंगे, आइये जानते है, ऐसे ही महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जिनसे से एक आम इंसान अनजान रहता है।

मानव शरीर से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों से सम्बंधित सामान्य ज्ञान:

- हमारी 1 आंख में 12,00,000 फाइबर होते हैं। अगर आप जिंदगी भर पलक झपकने का वक्त जोड़ेंगे, तो 1.2 साल का अंधेरा मिलेगा। हमारे घरों में मौजूद धूल के ज्यादातर कण हमारी डेड स्किन के होते हैं।
- आंतों में इतने बैक्टीरिया मौजूद होते हैं कि उनको निकालकर एक कॉफी मग भरा जा सकता है।
- आंख अकेला ऐसा मल्टीफोकस लेंस है, जो सिर्फ 2 मिली सेकेंड में एडजस्ट हो जाता है।
- त्वचा में कुल 72 किलोमीटर नर्व होती है।
- 75 फीसदी लिवर, 80 फीसदी आंत और एक किडनी बगैर भी इंसान जिंदा रह सकता है।
- अगर आप जिंदगी भर पलक झपकने का वक्त जोड़ेंगे, तो 1.2 साल का अंधेरा मिलेगा। हमारे घरों में मौजूद धूल के ज्यादातर कण हमारी डेड स्किन के होते हैं।
- व्यक्ति खाना खाए बिना कई हफ्ते गुजार सकता है, लेकिन सोए बिना केवल 11 दिन रह सकता है।
- हाथ की 1 वर्ग इंच त्वचा में 72 फीट नर्व फाइबर होता है।
- इंसान के कान 20,000 हर्ट्ज तक की फ्रीक्वेंसी सुन सकते हैं।
- शरीर में दर्द 350 फीट प्रति सेकेंड की रफ्तार से आगे बढ़ता है।
- वयस्कों के बालों को उनकी लंबाई से 25 फीसदी ज्यादा तक खींचा जा सकता है।
- जिस हाथ से आप लिखते हैं, उसकी उंगलियों के नाखून ज्यादा तेजी से बढ़ते हैं।
- **मानव शरीर** में 3-4 दिन में नई स्टमक (पेट) लाइनिंग बनने लगती है।
- नवजात शिशु एक मिनट में 60 बार सांस लेता है। किशोर 20 बार और युवा केवल सोलह बार।
- जब कोई मनुष्य छींकता है तो बाहर निकलने वाली हवा का वेग 160 किलोमीटर प्रति घंटा होता है मतलब एक्सप्रेस गाड़ी से भी अधिक स्पीड।
- किसी भी दुर्घटना होने पर हड्डियाँ ही सबसे अधिक टूटती हैं, पर जबड़े की हड्डी बड़ी मजबूत होती है। वह लगभग 280 किलो वजन भी सहन कर सकती है।
- एक स्वस्थ युवा शरीर का मस्तिष्क 20 वाट विद्युत पैदा कर सकता है।
- जब एक नवजात शिशु रोता है तो उसके आंसू नहीं आते क्यों कि तब तक उसकी अश्रुग्रंथियाँ विकसित नहीं होती है।
- हमें हँसाने के लिए 17 स्नायु का प्रयोग करना पड़ता है जबकि रोने के लिए 43 स्नायु काम में लेने पड़ते हैं।
- हमारे शरीर में लोहा भी होता है इतना कि एक शरीर से प्राप्त लोहे से एक इंच की कील भी तैयार की जा सकती है।
- शरीर में एपेंडिक्स कशेरुका की बेकार हुई पूंछ कानों में कुलबुलाने वाली मांसपेशियाँ आदि किसी काम नहीं आते हैं।
- खाना खाते समय जो अतिरिक्त हवा पेट में चली जाती है वह डकार बन कर वह आवाज करती है। कई लोग जम्हाई बड़ी आवाज़ के साथ लेते हैं। जब शरीर को पूरी आक्सीजन नहीं मिलती है तो जम्हाई ले कर शरीर में वह आक्सीजन की कमी पूरी की जाती है। हमारे पेट में हवा, पानी होते हैं जो गुड गुड आवाज करते रहते हैं इन्हें स्टोमेक ग्राउल कहा जाता है।
- हिचकी भी एक बाड़ी नाईस है। डायफ्राम में यानी मध्य पट में तनाव की वजह से हिचकी आती है या एक मसल होती है जो फेफड़ों की हवा को बाहर भीतर भेजती है जब किसी कारण यह प्रोसेस रुक जाता है तो भीतर की हवा बाहर आने के लिए धक्का देती है तो ठिक्क की आवाज आती है।
- एक वयस्क व्यक्ति के शरीर में 206 हड्डियाँ होती हैं जबकि बच्चे के शरीर में 300 हड्डियाँ होती हैं (क्योंकि उनमें से कुछ गल जाती हैं और कुछ आपस में मिल जाती हैं)।
- मनुष्य के शरीर में सबसे छोटी हड्डी स्टेप्स या स्टिरुप होती है जो कि कान के बीच में होती है तथा जिसकी लंबाई लगभग 11 इंच (.28 से.मी.) होती है।
- मनुष्य के शरीर में मोटोर न्यूरोन्स सबसे लंबी सेल होती है जो कि रीढ़ की हड्डी से शुरू होकर पैर के टखने तक जाती है और जिसकी लंबाई 4.5 फुट (1.37 मीटर) तक हो सकती है।
- मनुष्य की जाँघों की हड्डियाँ कंक्रीट से भी अधिक मजबूत होती हैं।
- मनुष्य की आँखों का आकार जन्म से लेकर मृत्यु तक एक ही रहता है जबकि नाक और कान के आकार हमेशा बढ़ते रहते हैं।
- आदमी एक साल में औसतन 62,05,000 बार पलकें झपकाता है।
- खाए गए भोजन को पचने में लगभग 12 घण्टे लगते हैं।
- मनुष्य के जबड़ों की पेशियाँ दाढ़ों में 200 पौंड (90.8 कि.ग्रा.) के बराबर शक्ति उत्पन्न करती हैं।
- अभी तक प्राप्त आँकड़ों के अनुसार सबसे भारी मानव मस्तिष्क का वजन 5 पौंड 1.1 औंस. (2.3 कि.ग्रा..) पाया गया है।
- एक सामान्य मनुष्य अपने पूरे जीवनकाल में भूमध्य रेखा के पाँच बार चक्कर लगाने जितना चलता है।

- मनुष्य की मृत्यु हो जाने के बाद भी बाल और नाखून बढ़ते ही रहते हैं।
- मनुष्य की चमड़ी के भीतर लगभग 45 मील (72 कि.मी.) लंबी तंत्रिकाएँ (नसें) होती हैं।